घड़ाभर बुद्धि

एक बार बादशाह अकबर के दरबार में पड़ोसी राज्य से एक व्यक्ति आया । उसने अकबर से निवेदन किया कि पड़ोसी राज्य के राजा ने उनसे घड़ाभर बुद्धि भेजने को कहा है।

बादशाह ने उसके ठहरने की उचित व्यवस्था करवाई और उसे कुछ दिन रहकर राज्य के दर्शनीय स्थान देखने को कहा । इतने में घड़ाभर बुद्धि का प्रबंध हो जाएगा । पर अकबर चिंतित थे । बीरबल बीमार थे और नवरत्नों में से कोई इस समस्या का हल न निकाल सकता था । बीरबल होते तो कुछ किया जा सकता था ।

अकबर रातभर सोचते रहे,पर वे स्वयं भी कोई हल न सोच सके ! सुबह होते ही वे बीरबल के यहाँ पहुँचे । बीरबल का हाल पूछा । फिर अपनी समस्या उनके सामने रखी ।

सुनते ही बीरबल ज़ोर से हँसे । बोले- अच्छा ! तो अब चींटी के भी पर निकले हैं । आप व्यर्थ की चिंता छोड़िए और मुझे मिट्टी के दो-चार घड़े भिजवा दीजिए । हाँ, उस दूत को दो महीने तक यहीं ठहरना होगा । बुद्धि का घड़ा भर जाने पर भिजवा दिया जाएगा ।

पड़ोसी राज्य के दूत का खूब आदर-सत्कार किया गया । उसे पूरे राज्य के दर्शनीय स्थान दिखाए गए । अकबर अधीर थे कि कुछ हो भी रहा है या नहीं । पूछने पर बीरबल मुस्करा देते और कहते- बादशाह सलामत, धैर्य रखें । बुद्धि का घड़ा धीरे-धीरे भर रहा है ।

आखिर वह दिन भी आ पहुँचा जिसका पूरा दरबार बेचैनी से इंतज़ार कर रहा था । बीरबल एक सेवक के सिर पर घड़ा उठवाए दरबार में उपस्थित हुए । पड़ोसी राज्य के दूत से कहा गया- यह घड़ाभर बुद्धि है पर आप बिना घड़ा तोड़े, बिना काटे, इसे घड़े से निकाल लें।

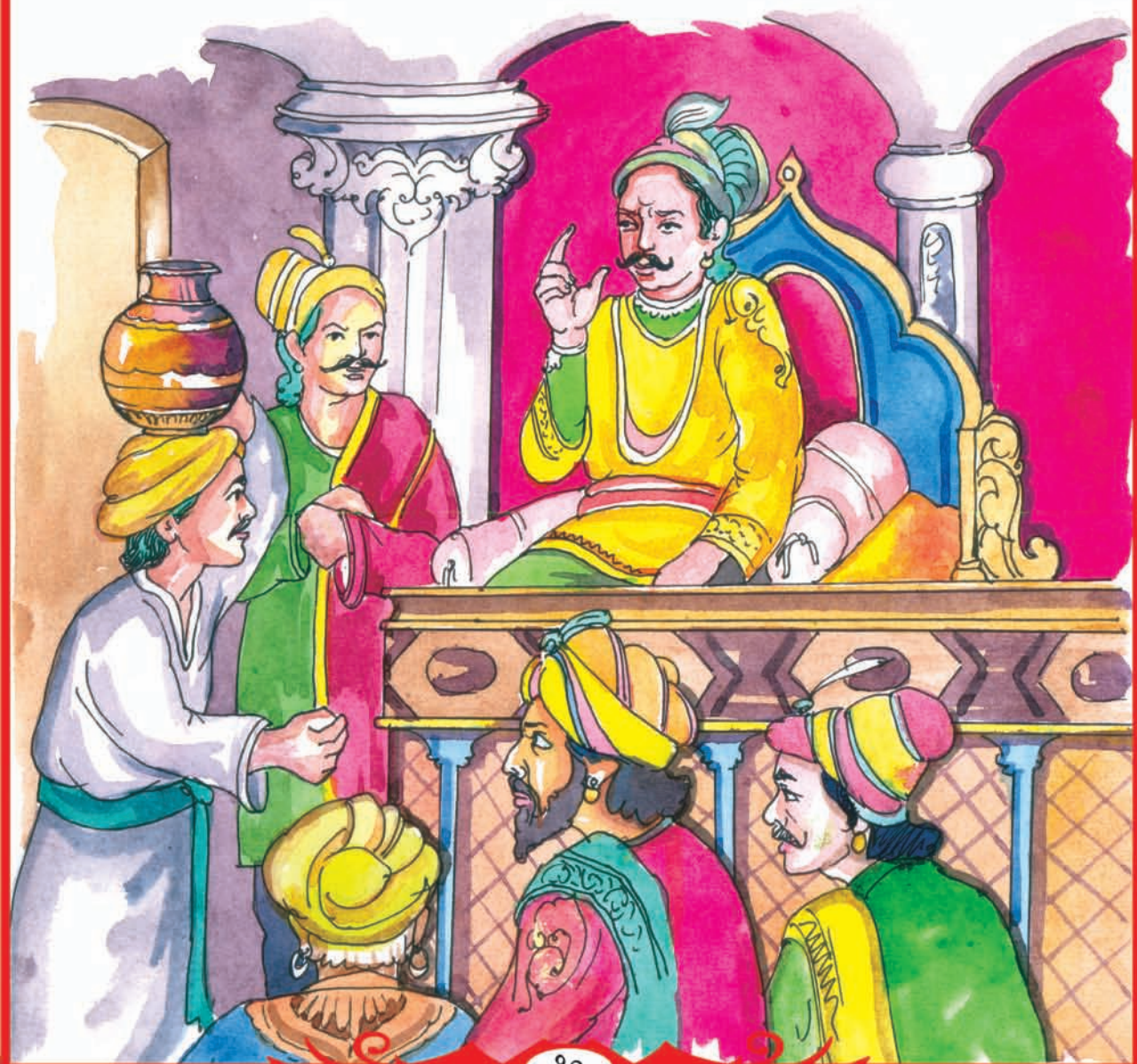

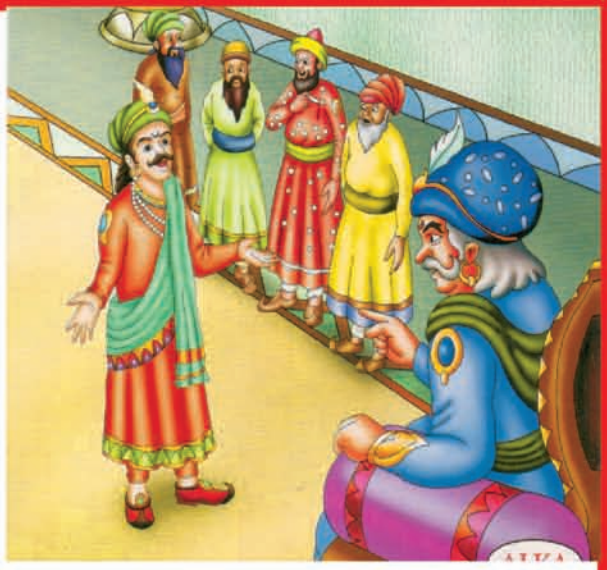

दरबार में प्रत्येक व्यक्ति आश्चर्य से घड़े को देख रहा था पर किसी की समझ में कुछ न आया । अकबर भी हैरान थे । उन्होंने बीरबल से सब-कुछ समझाने को कहा ।

बीरबल बोले- महाराज! यह बुद्धि का ही चमत्कार है ।

अकबर ने प्रश्न किया- कैसे ?

बीरबल बोले- महाराज, मैंने इसमें बेल से लगा छोटा-सा कुम्हड़ा डाल दिया । बेल से भोजन और जल पाकर धीरे-धीरे कुम्हड़ा इतना बड़ा हो गया कि घड़ा भर गया । बस! अब उन्हें निकालकर ले लेने दीजिए- घड़ाभर बुद्धि । सारा दरबार दंग रह गया ।

बीरबल अकबर के दरबार के नवरत्नों में सबसे चमकते रत्न थे । उनकी बुद्धि और हाज़िरजवाबी के किस्से आज भी खूब शौक से सुने और सुनाए जाते हैं ।

- संकलित

इन शब्दों के अर्थ जानो-

निवेदन - प्रार्थना	सत्कार - आदर
व्यवस्था - इंतजाम	धैर्य - धीरज
समस्या - कठिनाई	चमत्कार - अनहोनी बात

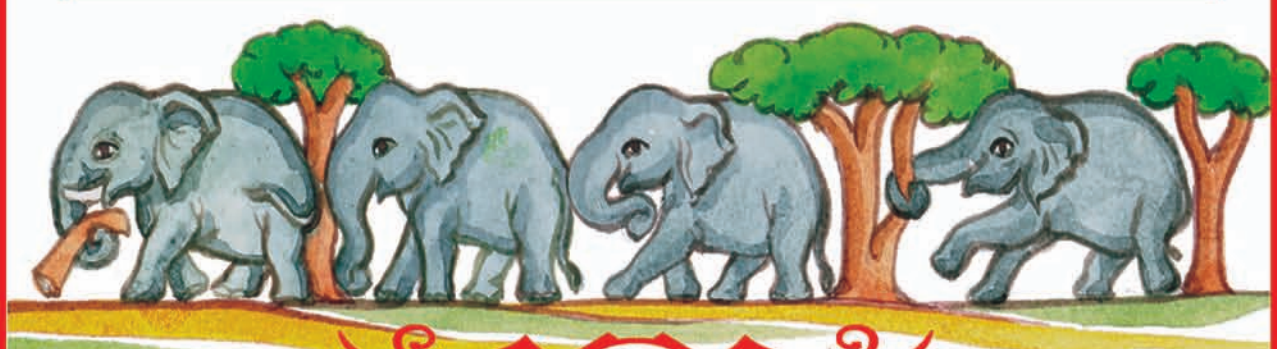

१. पढ़ो और सोचो-

क) पड़ोसी राज्य से दूत क्यों आया था ?

ख) अकबर क्यों चिंतित थे ?

ग) दूत को कितने दिनों तक राज्य में ठहराने के लिए बीरबल ने अकबर से कहा ?

घ) पड़ोसी राज्य के दूत से घड़ाभर बुद्धि किस तरह ले जाने को कहा गया ?

ङ) बीरबल ने मिट्टी का घड़ा क्यों मँगवाया ?

२. सोचकर लिखो-

क) अकबर के राज्य में दूत के साथ कैसा व्यवहार किया गया ?

ख) बीरबल ने बुद्धि का चमत्कार कैसे दिखाया ?

ग) क्या घड़े में सचमुच बुद्धि भरी थी ? यदि ना तो क्यों ?

घ) अकबर को बीरबल पर बहुत ज्यादा भरोसा क्यों था ?

३. पढ़ो और समझो-

बुद्धि, सिद्धि, शुद्धि	द्+ध= द्ध
राज्य, त्याज्य, पूज्य	ज्+य= ज्य
कुम्हड़ा, तुम्हारा, कुम्हार	म्+ह= म्ह
समस्या, तपस्या, आलस्य	स्+य= स्य

४. **निम्नलिखित शब्दो के विलोम रूप लिखो-**

राजा, चिंतित, आदर, अधीर

५. **किसी व्यक्ति, जाति, वस्तु, समूह ओर भाव के नाम प्रकट करनेवाले शदों को संज्ञा कहते हैं। जैसे-** राम, पुरुष, घर, परिवार, ममता आदि ।

पाठ से संज्ञा पदों को छाँटकर लिखिए ।

६. **पाठ से आगे-**

कुम्हड़े का एक सुन्दर -सा चित्र बनाकर उसमें रंग भरो ।

पाँच और सब्जियों के नाम लिखो ।

१	२	३	४	५

इस तरह बीरबल के कई किस्से हैं। पुस्तकालय से पुस्तक लेकर उन्हें पढ़ो।